हिन्दी आलोचना (डॉ० राम विलास शर्मा)

मार्क्सवादी आलोचक में डॉ० राम विलास शर्मा का स्थान अग्रगण्य है। ये प्रगतिवादी आलोचक हैं तथा इन मार्क्सवादी आलोचक के केन्द्र में मानव की स्थिति परिस्थिति ही रही है। कवि सम्प्रदाय के गुण और दोषों की दृष्टि से देखते हुए डॉ० रामविलास शर्मा जनवादी आलोचक के रूप में अभ्युदय हुए और मार्क्सवादी आलोचक के रूप में सामने आये हैं। इनकी आलोचनात्मक विशेषता निम्न हैं

1. मार्क्सवाद का समर्थन एवं आदर्शवाद का विरोध—
2. वर्गसंघर्ष एवं आर्थिक स्थिति का महत्व—
3. प्रारंभिक रचनाओं में युग आक्रोश
4. वैचारिक संरचना
5. प्रगतिवादी विचारधारा
6. कसमसाती हुई विचारधारा
7. विचारात्मक संघर्ष
8. जनवादी भावना—

मार्क्सवादी समीक्षों की गरिमा बढ़ाने वाले ओजस्वी आलोचक डॉ० राम विलास शर्मा की आलोचनात्मक कृति निम्न हैं :—

1. प्रगति और परम्परा
2. प्रगतिशील साहित्य की समस्या
3. आस्था और सौन्दर्य
4. मार्क्स और पिछड़े हुए समाज
5. निराला की साहित्य साधना
6. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल एवं हिंदी आलोचना।

आलोचक के क्षेत्र में डा० रामविलास शर्मा का स्थान महत्वपूर्ण है इन्होंने प्रगतिवादी समीक्षा के शिखर को और शीर्ष तक ले जाने वाले